क्षीराब्धि कन्यककु

रागम्: कुरञ्जि ताळम्: झम्प

(श्री अन्नमाचार्य विरचित)

पल्लवि

क्षीराब्धि कन्यककु श्रीमहालक्ष्मिकिनि
नीरजालयकुनु नीराजनम्

चरणम्

जलजाक्षि मोमुनकु ज क्कव कुचम्बुलकु
नेलकोन्न कप्पुरपु नीराजनम्
अलिवेणि तुरुमुनकु हस्तकमलम्बुकु
निलुवु माणिक्यमुल नीराजनम् ॥ १ ॥

पगडु श्री वेङ्कटेशु पट्टपु राणियम्
नेगडु सति कळ्ळकुनु नीराजनम्
जगति अलमेलुम ङ्ग त्सक्कदनमुलकेल्ल
निगुड निज शोभनपु नीराजनम् ॥ २ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇